This question paper contains 8+2 printed pages]

आपका अनुक्रमांक.....

498

B.A. (Programme)/II/III **B**

HINDI LANGUAGE (A)—Paper II

हिंदी भाषा (क)—प्रश्न-पत्र II

(प्रवेशवर्ष 2004/2006 और तत्पश्चात् नियमित कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए/NCWEB के विद्यार्थियों के लिए)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

टिप्पणी :—प्रश्नपत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे।

1. निम्नलिखित अनुच्छेद आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठों से लिए गए हैं। किन्हीं **दो** अनुच्छेदों के नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 8+8=16

(क) अरी वरुणा की शान्त कछार—

तपस्वी के विराग की प्यार !

तुम्हारे कुंजों में तल्लीन, दर्शनों के होते थे वाद,
देवताओं के प्रादुर्भाव, स्वर्ग के सपनों के संवाद।
स्निग्ध तरु की छाया में बैठ, परिषदें करती थीं सुविचार—
भाग कितना लेगा मस्तिष्क, हृदय का कितना है अधिकार ?

प्रश्न :

(*i*) प्रस्तुत काव्यांश के कवि एवं कविता का नाम लिखिए।

(*ii*) कवि ने वरुणा की कछार पर होने वाली किन सांस्कृतिक गतिविधियों का उल्लेख किया है ?

(*iii*) "भाग कितना लेगा मस्तिष्क, हृदय का कितना है अधिकार"—पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

(*iv*) कवि ने तपस्वी कहकर किसे संबोधित किया है ?

(ख) 'मेडिकल स्क्वाड ज़िन्दाबाद', 'डाक्टर कुंटे ज़िन्दाबाद' की आवाज़ों से मजदूरों ने एक दिन आसमान गुँजा दिया था। मैं सोचता हूँ, कौन है यह कुंटे ? कल जेल में था, कौन जानता था इसे ? क्या यह मिल-मैनेजर का अतिथि होकर नहीं आ सकता था यहाँ ? लोग

जिसे सुख कहते हैं वह क्या इसे नहीं मिल पाते ? किन्तु क्या कोई चाहता तब कि डॉक्टर अधिक जीवित रहे ? जो जनता के काम आता है वही मनुष्य है और मनुष्य जब स्वार्थ से परे लोक-कल्याण का प्रतीक हो जाता है, तभी लोग उसे पसन्द करते हैं।

प्रश्न :

(*i*) प्रस्तुत अनुच्छेद किस निबन्ध से लिया गया है ? उसके लेखक का नाम लिखिए।

(*ii*) 'डॉ. कुंटे ज़िन्दाबाद' के नारे क्यों लगाये जा रहे थे ?

(*iii*) प्रस्तुत अनुच्छेद के आधार पर मनुष्य की विशेषता लिखिए।

(*iv*) 'अतिथि' एवं 'स्वार्थ' शब्दों के अर्थ लिखिए।

(ग) अंग्रेजी का सारा इतिहास लेटिन के साथ सम्बद्ध है। संस्कृत के, भाषा के और परम्परा के उनके जितने भी स्रोत है, वे सब लेटिन से आए हैं। इसी प्रकार हमारी संस्कृति, भाषा व परम्परा का संबंध संस्कृत से है। जिस

भाषा का संबंध हमारे जीवन, इतिहास और सभ्यता से हो, उसी प्रकार की भाषा और सभ्यता हम प्राप्त करते हैं। इसे हम 'आकर' भाषा कहते हैं। हमारी आकर भाषा संस्कृत है। बहुत से लोगों को यह बात बुरी लगती है लेकिन जिनको यह बात बुरी लगती है वे इस देश की भाषा को नहीं जानते। जिनको हिंदी से अथवा किसी भी भारतीय भाषा से प्रेम है उसे यह देखना होगा कि उसकी भाषा का आदि रूप क्या है। चन्दबरदाई, तुलसीदास आदि को ही ले लीजिए। इनकी रचनाओं का एक-एक शब्द संस्कृतनिष्ठ है। इसी प्रकार हमारी अन्य भारतीय भाषाओं में भी, चाहे वह गुजराती हो, बंगला हो, मराठी हो—संस्कृत भरी पड़ी है।

प्रश्न :

(*i*) अंग्रेजी के इतिहास का संबंध किस भाषा से है ?

(*ii*) 'आकर' भाषा से लेखक का क्या अभिप्राय है ?

(*iii*) संस्कृत भाषा का प्रभाव किन-किन भाषाओं पर पड़ा है ?

(*iv*) संस्कृत भाषा हमारे लिए महत्त्वपूर्ण क्यों है ?

2. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिएं : 9

(*i*) 'मुझे कदम कदम पर' कविता का भावार्थ संक्षेप में लिखिए।

(*ii*) 'पर्दा उठाओ ! पर्दा गिराओ !' एकांकी का उद्देश्य क्या है ?

(*iii*) 'कैपिटिलिस्टिक बाज़ार' में मनुष्य का शोषण किस प्रकार होता है ? ('बाज़ार-दर्शन')

(*iv*) राष्ट्रीयता की भावना के विकास के लिए लेखक किन बातों का होना ज़रूरी मानता है ?

('गहरी नींद के सपनों में बनता हुआ देश')

(*v*) कथा वाचिका अपनी हार क्यों स्वीकार करती है ?

('मैं हार गई')

3. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(*i*) देवनागरी लिपि की विशेषताएँ। 4

(*ii*) ब्रजभाषा का सामान्य परिचय। 4

(*iii*) राजभाषा हिंदी। 4

4. निम्नलिखित अपठित अंश के आधार पर उसके नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 6

ज्ञान राशि के संचित कोश का ही नाम साहित्य है। सब तरह के भावों को प्रकट करने की योग्यता रखने वाली और निर्दोष होने पर भी यदि कोई भाषा अपना साहित्य नहीं रखती तो वह रूपवती भिखारिन की तरह कदापि आदरणीय नहीं हो सकती। उसकी शोभा, उसकी श्री संपन्नता, उसकी मान मर्यादा, उसके साहित्य पर ही अवलंबित रहती है। जाति विशेष के उत्कर्ष का, उसके ऊँच-नीच भावों का, उसके ऐतिहासिक घटना-चक्रों और राजनीतिक स्थितियों का प्रतिबिम्ब यदि देखने को कहीं मिल सकता है, तो उसके ग्रन्थ-साहित्य में ही मिल सकता है। शक्ति एवं सजीवता सामाजिक आसक्ति या निर्जीवता और सामाजिक सभ्यता तथा असभ्यता का निर्णायक एकमात्र साहित्य है।

प्रश्न :

(*i*) उपर्युक्त अनुच्छेद का उचित शीर्षक दीजिए।

(*ii*) लेखक ने रूपवती भिखारिन से किसकी तुलना की है ?

(*iii*) प्रस्तुत अनुच्छेद के आधार पर साहित्य की परिभाषा दीजिए।

5. हिंदी में अनुवाद कीजिए : 6

When the country became independent, many Indians looked to the government to play a leading and beneficial role in transforming the collective life of the nation. The leaders of the nationalist movement had spoken and written tirelessly about what needed to be done to enable India to take its rightful place in the community of nations. There had been one obstacle in the way, and that was the presence of an uncaring and oppressive colonial power. A national government would do everything that the colonial government had been unable or unwilling to do.

6. निम्नलिखित संवादों को कथांश शैली में लिखिए : 6

रामविलास : गाड़ी से उतरकर अब तुम कहाँ जाना चाहती हो ? जल्दी करो, देर हो रही है, उपर गाड़ी में बैठे जमाई बाबू क्या कहेंगे।

केतकी : भैया मैं तो गाँव देखने ही आई थी; देख ही नहीं पाई। वह सामने का घर तो सबुजनी का है न ?

रामविलास : हाँ-हाँ, चटाई पर बैठी धूप सेक रही है। पता नहीं तुम्हें पहचानेगी भी.....

केतकी : (रामविलास की ओर ध्यान न देकर भागती हुई) परनाम सबुजनी दीदी.....

सबुजनी : जीती रहो, कौन है ?

केतकी : दीदी मुझे पहचाना नहीं ?

सबुजनी : (माथे पर हथेली रख गौर से देखती है।) मोतियाबिन्द से बिनाई कम हो गई है न.....

रामविलास : दीदी, केतकी है केतकी.....

सबुजनी : के-त-की ओ..... कतिकी बिटिया है तू ? कैसी है री तू ?

रामविलास : बिलकुल वैसी ही है दीदी, जरा भी नहीं बदली।

केतकी : कितनी कलप रही थी मैं आप लोगों से मिलने को।

सबुजनी : केतकी समीर बौआ के बेटे के जनेऊ में आई हो ?

केतकी : (सुबककर) हाँ.....पर.....

रामविलास : पर अभी लौटकर जा रही है।

सबुजनी : अच्छा किया, गाँव-समाज को देखने आ गई। तू बिना माँ की बेटी हम सबकी बेटी थी। कनियाँ अरी, कहाँ गई। ज़रा सोना सिन्दूर तो ले आ।

7. (क) अभिधा व लक्षणा शब्द-शक्ति का अन्तर स्पष्ट कीजिए। 4

(ख) शहरों की प्रकृति और उनकी कौंध बड़ी भिन्न और अजीब होती है..... सारी उम्र भागते रहते हैं, लानत-मलामत करते हैं और वहीं ढेर हो जाते हैं।"—लाक्षणिक प्रयोग को स्पष्ट कीजिए। 4

(ग) "अफसरों का कुत्ता विकासशील देशों की तरह पनपता है।"—निहित व्यंग्यार्थ को स्पष्ट कीजिए। 4

8. (क) कोश की परिभाषा देते हुए द्विभाषी शब्द-कोश की सामान्य विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 4

(ख) हिंदी शब्द-कोश में प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित शब्दों को वर्णक्रमानुसार लिखिए : 4

कामना, कर्त्तव्य, अच्छा, रंगमंच, दोष, गंगा, सामंत, विचार।